सिंघाना के निजी अस्पताल में हर्निया के ऑपरेशन के बाद युवक की मौत

परिजनों और ग्रामीणों ने निजी अस्पताल के बाहर शव रखकर हंगामा किया

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना कस्बे के एक निजी अस्पताल में हर्निया के ऑपरेशन के बाद 27 वर्षीय युवक की मौत के मामले ने तूल पकड़ लिया। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण शव को लेकर अस्पताल पहुंचे और अस्पताल परिसर के बाहर शव रखकर धरने पर बैठ गए। देखते ही देखते अस्पताल के बाहर बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों की भीड़ जमा हो गई। तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए सिंघाना पुलिस का जाप्ता भी मौके पर तैनात किया गया।



हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों से समझाइस की।

जानकारी के अनुसार सिंघाना के वार्ड नंबर 30 निवासी राजेश नायक (27) पुत्र दानाराम को पिछले रविवार को पेट में दर्द की शिकायत के बाद उपचार के लिए निजी राज अस्पताल लाया गया था। यहां चिकित्सकों ने उसका हर्निया का ऑपरेशन किया। परिजनों के अनुसार बुधवार को उसे अस्पताल से छुट्टी देकर घर भेज दिया गया। इसके बाद उसकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई। परिजनों का आरोप है कि ऑपरेशन के बाद युवक की हालत खराब होने के बावजूद उसे करीब दो दिन तक अस्पताल में रखा गया तथा उन्हें मरीज की वास्तविक स्थिति के बारे में सही जानकारी नहीं दी गई। हालत ज्यादा बिगड़ने पर परिजन उसे वापस अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सक ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। परिजनों के मुताबिक जयपुर ले जाते समय रास्ते में ही राजेश की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजन और ग्रामीण शव को वापस सिंघाना लेकर पहुंचे। यहां अस्पताल के बाहर शव रखकर धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की जांच कराने तथा जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

धरने की सूचना पर जनप्रतिनिधि एवं अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे। पार्षद डीपी सैनी, डॉ. नरेंद्र शर्मा, महावीर ठेकेदार, लालाराम नायक, अजय नायक सहित परिजनों के प्रतिनिधिमंडल ने अस्पताल प्रबंधन से वार्ता की। करीब साढ़े तीन घंटे तक चली बातचीत के बाद अस्पताल

- **इलाज में लापरवाही का आरोप लगाकर आक्रोश जताया, वार्ता के बाद आर्थिक सहायता पर सहमति बनी**

प्रबंधन की ओर से आर्थिक सहायता देने पर सहमति बनी। इसके बाद परिजनों ने धरना समाप्त कर शव को वहां से उठाया। राजेश नायक अपने परिवार में इकलौता था। उसके पिता दानाराम की करीब चार वर्ष पहले मृत्यु हो चुकी है। राजेश कलर-पेंट की मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में चार वर्षीय बेटी पलवी और दो वर्षीय बेटा रिषी हैं। युवक की मौत के बाद परिवार के सामने न केवल भावनात्मक संकट खड़ा हो गया, बल्कि रोजी-रोटी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। मामले में परिजनों की ओर से लगाए गए इलाज में लापरवाही के आरोपों की पुलिस-प्रशासनिक जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

कोटा में प्रसूताओं की मौत के मामले में चिकित्सकों को क्लीनचिट

जांच में सामने आया है कि इस घटनाक्रम में चिकित्सकों की ओर से कोई चिकित्सकीय लापरवाही नहीं बरती गई

कोटा, (निसं)। कोटा मेडिकल कॉलेज से जुड़े अस्पतालों में प्रसूताओं की मौत और किडनी फेल्योर के बहुचर्चित मामले में जांच के दायरे में आई चिकित्सकों को बड़ी राहत मिली है। इस पूरे प्रकरण की जांच के लिए गठित चार अलग-अलग उच्चस्तरीय कमेटियों ने डॉक्टरों को पूरी तरह क्लीनचिट दे दी है।

जांच में सामने आया है कि इस घटनाक्रम में चिकित्सकों की ओर से कोई चिकित्सकीय लापरवाही नहीं बरती गई थी। कमेटियों की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निलंबित किए गए तीनों वरिष्ठ डॉक्टरों को बहाल कर दिया है। अब बड़ा सवाल यह है कि जब चिकित्सकों की चिकित्सीय लापरवाही नहीं थी तो इस दुखद घटनाक्रम का जिम्मेदार और दोषी कौन है। कोटा में शुरुआत में पांच प्रसुताओं में यह दिक्कत सामने आई थी। इसका खुलासा 5 मई 2026 को हुआ था, जिसके बाद में 12 महिलाओं को संक्रमित माना गया था। इनमें से चार प्रसूता और एक गर्भवती थी। जिनमें पायल, ज्योति, पिंकी महावर, प्रिया व शिरीन की मौत हो चुकी है, जबकि बाकी पांच रागिनी, धन्नी, सुशीला,

- **कमेटियों की रिपोर्ट आने के तुरंत बाद चिकित्सा शिक्षा विभाग ने निलंबित किए गए तीनों वरिष्ठ डॉक्टरों को बहाल कर दिया है**

चंद्रकला, किरण, पिंकी व आरती को अस्पताल से इलाज के बाद डिस्चार्ज किया गया। इस घटनाक्रम में प्रसूता रागिनी की भी तबीयत बिगड़ गई थी। वह अभी वर्तमान में डायलिसिस पर है। उनकी किडनी काम नहीं कर रही है। सरकार ने ट्रांसप्लांट का आश्वासन दिया था। रागिनी के पति लोकेश का कहना है कि सरकार को जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करनी चाहिए। डॉक्टर को क्लीन चिट दी गई है, फिर घटनाक्रम क्यों और कैसे हुआ। क्या-क्या कारण रहे यह तो हमें पता चलना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में मई महीने में भर्ती प्रसुताओं के किडनी फेल्योर के गंभीर मामले सामने आए थे। इसके बाद इसी तरह का मामला जेके लोन अस्पताल में भी आया था। इसके बाद कई प्रसूताओं की असमय मौत से भारी हंगामा मच गया था। विपक्ष और जनता के भारी आक्रोश को देखते हुए राज्य सरकार ने चिकित्सकों और नर्सिंग कर्मियों पर कार्रवाई की थी। सरकार ने आनन-फानन में कदम उठाया और 9 मई को कोटा मेडिकल कॉलेज के तीन डॉक्टरों को निलंबित कर दिया था। इनमें गायनी विभाग के प्रोफेसर डॉ. बीएल पाटीदार, एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. खुशबू मीणा और सर्जरी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ.नवनीत कुमार शामिल थे। घटनाक्रम के बाद बनाई गई चार कमेटियों ने इन तीनों डॉक्टर को क्लीनचिट दी है। जिसके बाद मेडिकल एजुकेशन डिपार्टमेंट की जॉइंट सेक्रेटरी डॉ.ज्योति चौहान ने तीनों डॉक्टर के बहाली के आदेश जारी कर दिए हैं।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की संयुक्त सचिव डॉ.ज्योति चौहान ने आदेश जारी कर तीनों चिकित्सकों का निलंबन रद्द करते हुए उन्हें दोबारा कोटा मेडिकल कॉलेज में ही पदस्थापित कर दिया है। जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक और मेडिकल कॉलेज में गायनी की विभाग अध्यक्ष डॉक्टर निर्मला शर्मा का कहना है कि तीन डॉक्टर को बहाल किया गया है। इनमें दो गायनी और एक सर्जरी के हैं।

श्रीगंगानगर का व्यापारी पांच दिन से लापता

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर से एक व्यापारी के लापता हो जाने का मामला सामने आया है। वार्ड नंबर 31 निवासी महेश कोठारी (55) पांच दिन से लापता है। अब उनका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ आ रहा है। मामला श्रीगंगानगर जिले के रायसिंहनगर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में महेश कोठारी के बड़े भाई बालकृष्ण कोठारी ने रायसिंहनगर पुलिस थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाकर भाई की तलाश करने की मांग की है। बालकृष्ण कोठारी ने बताया कि वे पुरानी मंडी, रायसिंहनगर में दुकान नंबर 73 पर रहते हैं। 24 सितंबर को शाम करीब 5 बजे महेश कोठारी रूणेचा जाने की बात कहकर घर से निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं आए। परिजनों ने पहले परिचितों और रिश्तेदारों से संपर्क कर उनकी जानकारी लेने की कोशिश की। उन्होंने अपने भतीजे, घर में काम करने वाली नौकरानी और अन्य परिचितों की मदद से महेश को तलाशने का प्रयास किया, लेकिन अभी तक उनका कहीं कुछ पता नहीं चला। उनके मोबाइल पर कई बार कॉल की गई, लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।

परिजनों के मुताबिक 29 सितंबर की सुबह से महेश का मोबाइल फोन स्विच ऑफ आ रहा है। पांच दिन बीतने के बाद भी कोई जानकारी नहीं मिलने से परिवार की चिंता बढ़ गई है। परिजनों ने पुलिस से महेश की तलाश कर जल्द पता लगाने की मांग की है।

जोधपुर में पड़ोसियों की सजगता से तीन चोर पकड़े गये

जोधपुर, (कासं)। शहर के विवेक विहार स्थित एन सेक्टर में मकान का ताला तोड़कर चोरी करने पहुंचे तीन लोगों को पड़ोसियों की सजगता से पकड़ लिया गया। सूचना मिलने पर विवेक विहार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी के बताए गए आभूषण, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया।

पुलिस के अनुसार मकान मालिक अशोक विश्नोई 1 अक्टूबर को अपने परिवार के साथ पैतृक गांव सदराम की बेरी, बाड़मेर गए हुए थे। तब रात करीब 3.30 बजे तीन व्यक्ति मकान का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे और सामान

- **पुलिस ने आभूषण, पेन ड्राइव सहित अन्य सामान बरामद किया**

लेकर जाने लगे। पड़ोसी जुगल किशोर को आवाज सुनाई दी तो उन्होंने बाहर आकर अन्य पड़ोसियों को बुलाया।

रिपोर्ट के अनुसार लोगों के इकट्ठा होने पर तीनों आरोपी छत के रास्ते भागने लगे। पड़ोसियों ने पीछा कर दो आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पूछताछ में आरोपियों ने एक अन्य साथी के छत से कूदकर भागने की जानकारी दी। पुलिस ने तलाश की तो तीसरा आरोपी मकान के पीछे गली में गाय के बाड़े के पास कांटों की आड़ में छिपा मिला। पुलिस के अनुसार छत से कूदने के दौरान उसका पैर टूट गया था। मौके पर तलाशी के समय उसके पास से अंगूठी, पेन ड्राइव और आर्टिफिशियल आभूषण सहित अन्य सामान मिला। पुलिस ने बरामद सामान मकान मालिक के साढू अशोक कुमार को सुपुर्द किया, जिन्होंने फोन पर मकान मालिक से सामान की पहचान करवाई। मामले में विवेक विहार थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। जांच सहायक उप निरीक्षक महेश कुमार द्वारा की जा रही है। पुलिस ने कुम्हारियां कुआं कसाइयों का बास, खांडा फलसा निवासी सद्दाम उर्फ कालू भाटी और चडवों की गली खांडा फलसा निवासी मो. नासिर को गिरफ्तार किया है।

हाईटेंशन लाइन से झुलसने से दो युवकों की मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों की शव बुरी तरह झुलसे हुए थे। दोनों युवकों के शरीर के कई हिस्से बुरी तरह काले हो गए थे। पुलिस को दोनों के शवों के पास एक कटर भी मिला है। घटना लूणकरणसर थाना के सोढ़वाली-बिंझरवाली गांव में शुक्रवार देर रात करीब एक बजे की ही। ग्रामीणों ने शनिवार सुबह करीब 6 बजे दोनों की डेडबॉडी देखी। आशंका है कि तार चोरी करने की कोशिश में इनकी मौत हुई है।

पुलिस के अनुसार एक मृतक की पहचान भगवान सिंह (20) पुत्र नवल सिंह, निवासी धोलेरा पुलिस थाना जामसर के तौर पर हुई है। वहीं, दूसरे युवक की पहचान नहीं हुई है। पुलिस और ग्रामीणों को आशंका है कि दोनों को तार चोरी करने के दौरान करंट लगा होगा। क्योंकि, बॉडी के पास तार काटने का कटर व दूसरा सामान मिला है। स्थानीय लोगों ने बताया कि इनके पास एक तार का बंडल भी मिला है। ग्रामीणों ने बताया कि जहां इन युवकों की बॉडी

- **शरीर के अलग-अलग हिस्से काले पड़े, तार चोरी करते समय चिपकने की आशंका जताई**

मिली है, वहां से कुछ दूरी पर ही घर हैं। लेकिन रात में किसी को घटना की जानकारी नहीं मिली।

ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी सुबह करीब 6 बजे मिली। यहां आसपास के एरिया में जलने जैसी बदबू भी आ रही थी। कुछ लोगों घटनास्थल के करीब पहुंचे तो दो बॉडी दिखाई दी। दोनों बुरी तरह से झुलसी हुई थी। एक युवक के शरीर का निचला हिस्सा तो पूरी तरह से काला पड़ गया था। दूसरे युवक के शरीर के कुछ हिस्से काले थे। करीब 6.30 बजे पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को हॉस्पिटल पहुंचाया। थानाधिकारी महावीर विश्नोई ने कहा कि पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि युवक वहां किस उद्देश्य से पहुंचे थे।

बंद मकानों से नगदी और सामान चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के महामंदिर और चौपासनी हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में दो घरों में चोरों ने सैंध लगाकर वहां से नगदी और सामान व जेवरात चोरी कर ले गए। पीड़ितों की तरफ से संबंधित थानों में चोरी की रिपोर्ट दी गई।

महामंदिर पुलिस ने बताया कि कुसुम विहार गणेश होटल के पास रहने वाले नेमाराम पुत्र घमंडाराम जाट की तरफ से रिपोर्ट दी गई कि उसके सूने मकान में अज्ञात चोरों ने सैंध लगाकर कीमती सामान चोरी कर ले गए। घटना 28 जुलाई को होना बताया। वहीं चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस के अनुसार मूलत: जालोर जिले के सांचौर स्थित बड़सम हाल गायत्री नगर पाल निवासी पूजा पत्नी किशन कुमार विश्नोई ने रिपोर्ट दी कि वह डॉक्टर पेशे से जुड़ी है। 1 अक्टूबर की रात को उसके महादेव नगर पाल स्थित उसके मकान से अज्ञात चोर नगदी, सोने का छह ग्राम फूल और हाथ घड़ी आदि चोरी कर ले गए। पुलिस सूचना पर मौका मुआयना किया, चोरों का पता लगाया जा रहा है।

बदमाशों ने प्रदेश की 30 से ज्यादा लड़कियों के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करना कबूला

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान की 30 से ज्यादा लड़कियों के अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करने के आरोपियों से पूछताछ में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मुंबई से जोधपुर पुलिस के हत्थे चढ़े फैजान और आमीर ने सोशल मीडिया पर वैष्णवी-तनिष्का जैसे नामों से फर्जी आईडी बना रखी थी। लड़की बनकर लड़कियों से चैट करते। वर्क फ्रॉम होम के नाम पर लाखों की कमाई का झांसा देकर जाल में फंसाते। आरोपियों के मोबाइल में 200 से ज्यादा लड़कियों का डेटा मिला है। दोनों बेकरी में काम करते थे।

पुलिस के अनुसार लाखों की कमाई के नाम से लड़कियों से एक एग्रीमेंट साइन करवाते थे। उसे तोड़ने पर कार्रवाई की धमकी देकर ही लड़कियों को अश्लील वीडियो के लिए मजबूर करते थे। आरोपी फैजान और आमीर ने पुलिस को बताया कि दोनों ने सोशल मीडिया पर हिन्दू नामों (वैष्णवी, तनिष्का) से फर्जी आईडी बना रखी थी। स्नैपचैट, इंस्टाग्राम और व्हॉट्सएप पर लड़की बनकर लड़कियों से चैट करते थे। वर्क फ्रॉम होम के जरिए लाखों कमाने का लालच देते थे। आरोपी खुद को रेड स्टेट नाम की कंपनी का वेंडर बताते थे। कंपनी में काम करने से पहले

- **मुंबई के आरोपियों के मोबाइल में 200 से ज्यादा लड़कियों का डेटा मिला है**

लड़कियों से एक एग्रीमेंट फॉर्म भरने को कहते। एग्रीमेंट फॉर्म में उनके मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी जैसी कई डिटेल भरवाई जाती। फिर चैट पर ही वर्क फ्रॉम होम के नाम पर आसान-आसान टास्क देते। शुरुआत में रेस्टोरेंट-होटल की रेटिंग, लाइक-शेयर का टास्क देते। भरोसा जीतने के लिए पहला टास्क पूरा होते ही पेमेंट लड़कियों के खाते में ट्रांसफर कर देते। रेटिंग लेवल पूरा करने के बाद किसी प्रोडक्ट की वीडियो-रील बनाकर प्रमोशन का टास्क देते। इस टास्क के पूरा होते ही पैसा होल्ड कर देते। लड़कियों से कहा जाता कि होल्ड किया पैसा तभी मिलेगा जब वो वीडियो कॉल करेंगी। साथ ही एग्रीमेंट तोड़ने पर कार्रवाई की धमकी देकर वीडियो कॉल करने को मजबूर करते। जैसे ही कोई लड़की वीडियो कॉल करती, उसे अच्छे पैसों का लालच और कार्रवाई की धमकी देकर अश्लील वीडियो बना लेते। अश्लील वीडियो हासिल करने के बाद पर्सनल नंबर पर कॉल कर ब्लैकमेल कर होटलों में बुलाते।

जोधपुर ग्रामीण पुलिस को इनके मोबाइल से 200 लड़कियों की डिटेल मिली है। इनमें से 30 लड़कियों के साथ अश्लील वीडियो व चैटिंग मिली है।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के मोबाइल से मिले डेटा का एनालिसिस कर रहे हैं। डिटेल के आधार पर अन्य लड़कियों से भी पूछताछ कर रहे हैं। जांच में यह भी पता चला है कि दोनों आरोपी साउथ मुंबई के मरीन ड्राइव इलाके में भी कई लड़कियों को शिकार बना चुके हैं। दोनों के खिलाफ मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में भी ब्लैकमेलिंग व फ्रॉड का मुकदमा दर्ज है। आरोपी मुंबई हार्बर लाइन स्थित मानखुर्द में एक केक की दुकान पर काम करते थे। फैजान अहमद और आमिर हुसैन की मुलाकात भी वहीं हुई थी। फैजान ग्रेजुएट है और आमिर साक्षर है। बेकरी में खाली समय मिलने पर लड़कियों के नाम से बनी फेक प्रोफाइल से लड़कों को टारगेट करते थे। दोनों के अलावा एक महिला के भी गिरोह में शामिल होने की आशंका पुलिस ने जताई है।

रेल कर्मचारी के अपहरण के मामले में तीन जने गिरफ्तार

मामले में पहले दो आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं

अजमेर, (निसं)। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने रेलवे कर्मचारी के अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में पुलिस पहले ही दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

सिविल लाइंस थाने के सहायक उप निरीक्षक मनीराम ने बताया कि 21 अगस्त को रेलवे कर्मचारी रवि मीणा के अपहरण की घटना सामने आई थी। इस संबंध में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 24 अगस्त को रवि मीणा को सकुशल मुक्त करा लिया था। इसके बाद पुलिस की ओर से अपहरण की साजिश में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही थी। पुलिस ने मामले में पहले सीताराम और नत्थूलाल को गिरफ्तार किया था। इसके बाद जांच आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी महेंद्र मीणा तथा उसके दो साथियों अनिल और शंकर लाल को भी गिरफ्तार कर लिया।

- **पुलिस ने 24 अगस्त को रेलवे कर्मचारी रवि मीणा को मुक्त करा लिया था**

पुलिस के अनुसार सभी आरोपी दौसा जिले के निवासी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि वर्ष 2018 में मुख्य आरोपी महेंद्र मीणा की बहन की शादी रवि मीणा से हुई थी। शादी के बाद से ही दोनों पक्षों के बीच आपसी विवाद और मनमुटाव चल रहा था। पुलिस के अनुसार महेंद्र का परिवार रवि पर दबाव बना रहा था। विवाद को सुलझाने के लिए कई बार सामाजिक स्तर पर बैठकें भी हुई, लेकिन मामला नहीं सुलझा। इसके बाद आरोपियों ने कथित रूप से योजना बनाकर रवि मीणा का अपहरण किया और उसके बदले फिरौती की मांग की। पुलिस ने मामले में आरोपियों को गिरफ्तार कर जांच आगे बढ़ा दी है।

लोहार्गल के बरखंडी धाम के संत की हत्या का खुलासा, एक जने को पकड़ा

गोठड़ा/ झुंझुनूं, (निसं)। लोहार्गल स्थित बरखंडी धाम के संत सुरजादास महाराज की हत्या और लूट के मामले का गोठड़ा थाना पुलिस ने महज पांच दिन में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों और विभिन्न टीमों की मदद से वारदात की कड़ियां जोड़ते हुए सुरेश कुमार पुत्र ग्यारसीलाल, निवासी झाझम की ढाणी, तन पहाड़ीला, थाना गोठड़ा, जिला झुंझुनूं को गिरफ्तार किया है। आरोपी से वारदात को लेकर गहन पूछताछ एवं अनुसंधान जारी है।

पुलिस के अनुसार 27 सितंबर को परिवादी शंकरलाल ने गोठड़ा थाने में रिपोर्ट दी कि लोहार्गल धाम स्थित बरखंडी बाबा मंदिर के संत सुरजादास महाराज, जो सिंगोद कलां, जयपुर के

- **सुरजादास महाराज का शव गहरी खाई में मिला था**

रहने वाले थे, 26 सितंबर की शाम से लापता हैं। 27 सितंबर की सुबह मंदिर पहुंचे यात्रियों ने संत के वहां मौजूद नहीं होने की जानकारी दी। रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज कर संत की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस टीम के साथ ग्रामीणों ने भी संत की तलाश शुरू की। इसी दौरान बरखंडी की पहाड़ियों में एक गहरी खाई में संत सुरजादास महाराज का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। पुलिस ने एसडीआरएफ टीम, जयपुर जिला रेस्क्यू टीम की मदद से शव को खाई से बाहर निकलवाया। इसके बाद मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया और हत्या के अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू की गई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए घटनास्थल का एफएसएल टीम, डॉग स्क्वॉड, साइबर टीम और एमओबी द्वारा बारीकी से निरीक्षण कराया गया। पुलिस ने मौके से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। इसके बाद तकनीकी संसाधनों की मदद से संदिग्धों की गतिविधियों को खंगाला गया और पुलिस टीमों ने लगातार जांच करते हुए आरोपी सुरेश कुमार तक पहुंच बनाई। पुलिस ने आरोपी सुरेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। अब उससे हत्या और लूट की वारदात में उसकी भूमिका, घटना के कारण तथा लूटे गए सामान के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

अजमेर के निजी हॉस्पिटल में महिला व गर्भस्थ शिशु की मौत पर हंगामा

परिजनों और रिश्तेदारों ने डॉक्टर पर लापरवाही के आरोप लगाए

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट थाना क्षेत्र स्थित एक निजी हॉस्पिटल में गर्भवती महिला और उसके गर्भस्थ शिशु की मौत के बाद शनिवार को परिजनों और रिश्तेदारों ने अस्पताल परिसर में हंगामा कर दिया। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल के डॉक्टर हरबंस (एच.एस.) दुआ के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। हंगामे की सूचना मिलने पर अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाइश कर मामला शांत कराया।

परिजनों के अनुसार, मृतका पूजा गर्भावस्था के दौरान इलाज के लिए निजी हॉस्पिटल आ रही थी। परिजनों का दावा है कि वह अस्पताल पहुंचने से पहले सामान्य स्थिति में थी। शनिवार

- **लेबर रूम में तबीयत बिगड़ने के बाद जनाना अस्पताल रेफर किया गया था, वहां उपचार के दौरान महिला और गर्भस्थ शिशु को बचाया नहीं जा सका**

को लेबर रूम में उसकी हालत अचानक बिगड़ गई। परिजनों का आरोप है कि इस दौरान उसका ब्लड प्रेशर बढ़ गया और कुछ समय बाद वह बेसुध हो गई।

मृतका की बड़ी बहन संजू गुर्जर ने डॉक्टर हरबंस दुआ पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पूजा की पूर्व की रिपोर्ट्स सामान्य थीं। इसके बावजूद परिवार को ब्लड प्रेशर को लेकर ऐसी जानकारी दी गई, जिससे वे स्थिति को लेकर भ्रमित रहे। संजू के मुताबिक, लेबर रूम में हालत बिगड़ने के बाद अस्पताल में स्थिति संभालने के बजाय पूजा को आनन-फानन में जनाना अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों का कहना है कि जनाना अस्पताल ले जाने के दौरान और वहां पहुंचने के बाद चिकित्सकीय प्रयास किए गए, लेकिन पूजा और उसके गर्भस्थ शिशु को बचाया नहीं जा सका। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया और परिजन अस्पताल पहुंच गए।

मृतका की बहन संजू गुर्जर ने सवाल उठाया कि यदि अस्पताल में प्रसव के दौरान किसी गंभीर स्थिति से निपटने की पर्याप्त सुविधा उपलब्ध नहीं थी तो गर्भावस्था के दौरान पूजा का इलाज वहां क्यों किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि समय रहते उचित उपचार और बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होती तो स्थिति अलग हो सकती थी। हालांकि, इलाज में लापरवाही के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले में चिकित्सकीय जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारण और उपचार में किसी तरह की लापरवाही हुई या नहीं, यह स्पष्ट हो सकेगा।

घटना से आक्रोशित परिजनों ने डॉक्टर हरबंस दुआ के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। परिवार का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि इलाज में किसी तरह की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित डॉक्टर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। परिजनों ने यह भी मांग की कि जांच पूरी होने तक डॉक्टर की अजमेर में प्रैक्टिस पर रोक लगाने के संबंध में प्रशासन और चिकित्सा विभाग आवश्यक कदम उठाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी स्थिति का सामना नहीं करना पड़े।

अस्पताल में हंगामे की सूचना मिलने के बाद अलवर गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने परिजनों से बातचीत कर उनकी शिकायत और आरोपों की जानकारी ली तथा समझाइश के बाद स्थिति को शांत कराया। अब मामले में परिजनों की ओर से दी जाने वाली शिकायत और उपलब्ध मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात सामने आ रही है।

एक ही रात में खेतों से 131 नोजल चोरी

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी क्षेत्र में खेतों से फव्वारा सेट के नोजल चोरी होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब बबाई थाना क्षेत्र के रसूलपुर गांव में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में चार किसानों के खेतों को निशाना बनाते हुए कुल 131 नोजल चोरी कर लिए। सुबह खेतों पर पहुंचे किसानों को फव्वारा सेट की पाइपलाइन से नोजल गायब मिले तो हड़कंप मच गया। घटना से किसानों में रोष और चिंता का माहौल है।

पुलिस को दी रिपोर्ट में रसूलपुर निवासी भाल सिंह पुत्र कानाराम सैनी ने बताया कि उसने अपने खेत में सिंचाई के लिए फव्वारा सेट की लाइन लगा रखी थी। इसमें 50 नोजल लगे हुए थे। सुबह खेत पर पहुंचने पर लाइन में लगे सभी 50 नोजल गायब मिले। अज्ञात चोर रात के समय नोजल तोड़कर ले गए। भाल सिंह ने घटना की जानकारी गांव के अन्य लोगों को दी तो सामने आया कि अन्य किसानों के खेत भी उसी रात चोरों के निशाने पर रहे। गणत शर्मा के खेत से 19 नोजल, जगदीश प्रसाद शर्मा के खेत से 32 नोजल तथा रतनलाल यादव के खेत से 30 नोजल चोरी हुए हैं। इस तरह चारों किसानों के खेतों से एक ही रात में 131 पानी के नोजल चोरी किए गए। किसानों का कहना है कि फव्वारा सेट के नोजल खेतों की सिंचाई व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। इनके चोरी होने से न केवल सीधे आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि दोबारा नोजल लगाने के बाद ही खेतों में सिंचाई व्यवस्था सुचारू हो सकेगी। ग्रामीणों के अनुसार रात के समय खेतों में निगरानी नहीं होने का फायदा उठाकर चोर लगातार इस तरह की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। पीड़ित किसानों ने बबाई थाना पुलिस से मामले की गंभीरता से जांच कर अज्ञात चोरों का पता लगाने, चोरी हुए 131 नोजल बरामद करने तथा आरोपियों के खिलाफ जल्द कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। लगातार हो रही नोजल चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए किसानों ने रात्रि गश्त बढ़ाने की भी मांग की है।

युवक पर हमला, भीलवाड़ा के अस्पताल में भर्ती

भीलवाड़ा, (निसं)। ब्यावर में सुखाड़िया सर्किल के पास बीते गत गुरुवार की रात बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। स्कूटी से घर लौट रहे युवक को 6 से 7 अज्ञात लोगों ने घेरकर लोहे के सरियों और पाइपों से बेरहमी से पीटा। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके सिर, दोनों पैरों और शरीर पर गंभीर चोटें आईं व फ्रैक्चर हुए हैं। घायल को इलाज के लिए भीलवाड़ा के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित विपिन कुमार 2 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे सुखाड़िया सर्किल के पास कुड़ीगे के सामने, कनि रोड स्थित सगस जी के मंदिर के सामने से अपनी स्कूटी पर घर लौट रहा था। इसी दौरान रास्ते में 6-7 अज्ञात बदमाशों ने उसे जबरन रोक लिया। विपिन अकेला था, जिसका फायदा उठाकर हमलावरों ने अचानक लोहे के सरियों और पाइपों से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में विपिन के सिर के पास और दोनों पैरों में गंभीर फ्रैक्चर आए हैं।